जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 अगस्त, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के यूजीसी-एचआरडीसी ने 5वां ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम शुरू किया

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने कल देशभर से ऑनलाइन पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले नवनियुक्त शिक्षकों के लिए अपना 5वां ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) शुरू किया।

प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया मुख्य अतिथि रहीं और प्रो. एजाज मसीह, शिक्षा संकाय, जेएमआई, उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। सत्र की शुरुआत प्रो. अनीसुर रहमान, निदेशक, यूजीसी-एचआरडीसी, जेएमआई के स्वागत वक्तव्य से हुई। उन्होंने यूजीसी के 'गुरुदक्षिणा' दिशा-निर्देशों के बारे में एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने एचआरडीसी के योगदान सहित जामिया के इतिहास पर भी संक्षेप में चर्चा की।

प्रो. नजमा अख्तर ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एफआईपी के महत्व को रेखांकित किया जो शिक्षकों को शिक्षण की नई तकनीकों को सीखने और इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान वृद्धि कर समाज में बहुत सारे बदलाव लाने के लिए एक अद्भुत अवसर प्रदान करता है जो देश को आगे ले जा सकता है। उन्होंने क्षमता संवर्धन की प्रासंगिकता के बारे में भी बताया जो एक शिक्षक के लिए सकारात्मक परिणाम लाती है तथा उन्होंने शिक्षण में अनुसंधान के महत्व को भी समझाया। साथ ही आशा व्यक्त की कि प्रतिभागियों को एफआईपी में गहन अकादमिक इनपुट और एक्सपोजर मिलेगा जो उनके भविष्य के विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए उपयोगी होगा।

प्रो. एजाज मसीह ने अपने संबोधन में परम्परागत, पारंपरिक, परिवर्तनकारी और साथ ही नवीन शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जो समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को चल रही शिक्षा प्रणाली के साथ तालमेल बिठाना चाहिए जो वर्तमान में अधिक पश्चिमोन्मुख है। उन्होंने 'भारतीय शिक्षा सेवाओं (आईईएस)' के विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिसके माध्यम से भारतीय शिक्षा में सुधार किया जा सकता है और उस अलगाव को दूर किया जा सकता है जो इस समय हमारी शिक्षा प्रदान कर रही है।

यूजीसी-एचआरडीसी, जेएमआई की सुश्री शाहला तरन्नुम के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया